†[NATIONAL SEEDS CORPORATION

249. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have recently set up a National Seeds Corporation; if so, what is its constitution and how the work of seed production will be carried out by it in the various States; and

(b) how the Corporation will be connected with the seed organisations that are functioning in the various States?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं। राष्ट्रीय बीज निगम की स्थापना शीघ्र ही होने की संभावना है। इस निगम, जिसे कम्पनीज एक्ट, १९५६ के अन्तर्गत एक कम्पनी के रूप में रजिस्टर करने का प्रस्ताव है, के कार्यों की देखरेख के लिये एक निर्देशक-मंडल होगा। आधार बीज के उत्पादन और वितरण का कार्य सीधा निगम द्वारा किया जायेगा। राज्यों में प्रमाणित बीज के उत्पादन का उत्तरदायित्व यथासम्भव सहकारी समितियों का होगा। परन्तु ऐसा न होने पर यह उत्तरदायित्व निर्वाचित व्यक्तियों अथवा संयुक्त पूंजी व्यापार संस्थाओं का होगा। निगम इन निकायों की आर्थिक सहायता और तकनीकी पथ-प्रदर्शन करता रहेगा।

(ख) सुधरे हुये बीज के उत्पादन आदि के प्रबन्ध के सम्बन्ध में राष्ट्रीय बीज निगम विभिन्न राज्यों में पहले ही चल रहे संगठनों और इस मामले से सम्बन्धित दूसरे राज्य अधिकारियों के सहयोग से भी काम करेगा।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) No. The National Seeds Corporation is expected to be set up shortly. The Corporation, which is proposed to be registered as a Company under the Companies Act, 1956, will have a Board of Directors at the helm of its affairs. The production and distribution of foundation seed will be undertaken by the Corporation under its direct control. The production of certified seed in the States will be the responsibility, as far as possible, of Co-operatives or, failing that, select individuals or joint-stock concerns. These bodies will be helped by the Corporation by providing financial aid and affording technical guidance.

(b) In the matter of organisation of the production, etc., of improved seed, the National Seeds Corporation will act in collaboration with the organisations that are already functioning in the various States and also the other State authorities connected with the matter.]

अखिल भारतीय मिट्टी तथा भूमि-उपयोग सर्वेक्षण योजना

२४९. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अखिल भारतीय मिट्टी तथा भूमि उपयोग सर्वेक्षण योजना के अधीन गत वर्ष किन-किन राज्यों में भूमि का सर्वेक्षण किया गया और उनमें से प्रत्येक राज्य में कितनी-कितनी भूमि का सर्वेक्षण हुआ ; और

(ख) सर्वेक्षण के प्रतिवेदनों पर क्या कार्यवाही की जा रही है ?

†[ALL INDIA SOIL AND LAND USE SURVEY SCHEME

249. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the names of the States in which land was surveyed under the All India Soil and Land Use Survey Scheme during the last year and the

†[ ] English translation

area of land surveyed in each of those States; and

(b) the action that is being taken on the Survey Reports?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : (क) पूछी हुई जानकारी निम्न प्रकार है :

क्रम संख्या	राज्यों का नाम	सर्वे किया गया क्षेत्र (एकड़ों में) ब्यौरा	प्रारम्भिक सर्वेक्षण
१	उड़ीसा	२,५३,४४६	१,०२,७२३
२	मध्य प्रदेश	३,०३,२१४	१२,५३८
३	आंध्र प्रदेश	५२,५७२	८,१६,६००
४	महाराष्ट्र	—	३,६०,६७८
५	त्रिपुरा	१५,२२६	२,२६,३१०
६	पश्चिमी बंगाल	१,६३६	—
७	केरल	—	१,४६,१२०
८	मद्रास	—	७६,८००
९	मैसूर	८३,१८०	१,६५,०००
१०	हिमाचल प्रदेश	४१,७००	—
११	पंजाब	२५,६७६	—
१२	उत्तर प्रदेश	२५,१५६	—

(ख) भूमि सर्वे रिपोर्ट में वह दित्ता उपलब्ध है जिससे कि राज्य भूमि उपयोग और उपचार योजनायें तैयार कर सकेंगे और भूमि संरक्षण के लिये कार्यक्रम बनाने के लिये भी उनका प्रयोग किया जा सकेगा । इसके अनुसार रिपोर्टों को इस्तेमाल किया जा रहा है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) The required information is given below:—

Serial No.	Name of the States	Area Surveyed (in acres) Detailed	Reconnaisance
1	Orrisa	2,53,449	1,02,723
2	Madhya Pradesh	3,03,214	12,538
3	Andhra Pradesh	52,572	8,19,900
4	Maharashtra	..	3,60,678
5	Tripura	15,226	2,29,310
6	West Bengal	1,936	..
7	Kerala	..	1,49,120
8	Madras	..	76,800
9	Mysore	83,180	1,65,000
10	Himachal Pradesh	41,700	..
11	Punjab	25,976	..
12	Uttar Pradesh	25,159	..

†[ ] English translation

(b) The Soil Survey Reports provide data which will enable States to prepare land use and treatment plans and are intended to be utilised by them for formulating soil conservation measures. The reports are being utilised accordingly.]

केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद् द्वारा की गई सिफारिशों का कार्यान्वयन

२५०. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या स्वास्थ्य मंत्री १९६१-६२ के वर्ष के लिये अपने मंत्रालय के प्रतिवेदन के पृष्ठ १५३ को देखेंगी और यह बताने की कृपा करेंगी कि केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद् ने हैदराबाद में हुई अपनी ९वीं बैठक में जो सिफारिशें की थीं, उनको कार्यान्वित करने में राज्य सरकारों ने अब तक क्या प्रगति की है ?

†[IMPLEMENTATION OF RECOMMENDATIONS MADE BY THE CENTRAL COUNCIL OF HEALTH

250. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HEALTH be pleased to refer to page 153 of her Ministry's report for the year 1961-62 and state the progress so far made by the State Governments in implementing the recommendations made by the Central Council of Health at its ninth meeting held at Hyderabad?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) सूचना एकत्र की जा रही है और यथा समय सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR): The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.]

आयात किये गये खाद्यान्नों की रासायनिक जांच

२५१. **श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि विदेशों से आयात किये गये खाद्यान्नों की पोषाहार सम्बन्धी जो रासायनिक जांच १९६१-६२ में की गई थी उसका क्या परिणाम निकला ; किन-किन खाद्यान्नों के कितने-कितने नमूनों की जांच की गई ?

†[CHEMICAL EXAMINATION OF IMPORTED FOODGRAINS

251. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state what has been the result of chemical examination made in 1961-62 in regard to the nutritive value of the foodgrains imported from foreign countries; how many samples of each foodgrains were examined and what were the foodgrains examined?]

खाद्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० एम० थॉमस) : १९६१-६२ वर्ष में २४९ नमूनों की रासायनिक जांच की गई जिसमें ५५ नमूने चावल के थे और १९४ गेहूं के । इस जांच से पता चलता है कि आयात किये गये खाद्यान्नों का खाद्य-मूल्य सन्तोषजनक है । इस वर्ष मे केवल गेहूं और चावल ही विदेशों से आयात किया गया था ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD (SHRI A. M. THOMAS): Chemical examination of 249 samples, comprising 55 of rice and 194 of wheat, carried out during the year 1961-62 has shown that the food value of the grain imported has been satisfactory. Only wheat and rice were imported during the year.]

†[ ] English translation